Nature, scope, definition and significance

परिचय ग्रामीण बस्ती भूगोल मानव भूगोल की नवीनतम शाखा है। (R.L सिंह)
ग्रामीण बस्तियों का अध्ययन भूगोल में प्रारंभ से किसी न किसी रूप में होता रहा है, लेकिन भूगोल में एक विषय के रूप में इसका अध्ययन तथा विकास क्रमबद्ध तरीके से होकर वर्तमान रूप में कुछ ही समय पहले सामने आया।

प्रकृति

अधिवास का अभिप्राय: बसाव इकाई में जन संख्या के समूहन से है। जिसे जनसंख्या के आकार, व्यवसायिक संरचना, प्रशासकीय स्थिति के अनुसार विभाजित किया जाता है। उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर ग्रामीण बस्तियों की प्रकृति निम्नलिखित है-

- ग्राम का आकार नगरों से छोटा होता है।
- जनसंख्या तथा गृह घनत्व भी कम होते हैं। (5000 से कम)
- ग्रामीण अधिवासों में प्राथमिक कार्यों जैसे कृषि, पशुपालन, आखेट, मत्स्यन, खनन आदि की प्रमुखता पायी जाती है।
- ग्रामों में कोई निजी प्रशासनिक संस्था नहीं होती है। इसका शासन जिला परिषद् जैसी क्षेत्रीय शासन के अंतर्गत संचालित होता है।

ग्रामीण बस्ती भूगोल का विकास प्राचीन काल में नहीं हुआ था। वास्तव में ग्रामीण बस्तियों ने एक विषय के रूप में मान्यता 1950 के बाद ही प्राप्त की। प्राचीन तथा मध्ययुगीन विचारकों ने बस्तियों के बारे में जो विचार दिए वे वर्णनात्मक थे। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में विचारकों का ध्यान ग्रामीण समस्याओं की ओर गया। लेकिन तब भी यह स्वतंत्र शाखा के रूप में विकसित नहीं हो पाया। मुख्यतः कार्ल रिटर द्वारा अठारहवीं शताब्दी के अन्त एवं उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में किया गया कार्य बस्ती भूगोल का आधार माना जाता है। अध्ययन के आधार पर ग्रामीण बस्तियों की प्रकृति को निम्न रूप से व्यक्त किया जा सकता है।

- ग्रामीण बस्ति भूगोल वर्णनात्मक ही नहीं है बल्कि यह विश्लेषण व व्याख्या करता है।

- ग्रामीण बस्ती भूगोल ग्रामीण बस्ती के सभी भौगोलिक पक्षों के अध्ययन पर जोर देता है।

- ग्रामीण बस्ती भूगोल सांस्कृतिक भू-दृश्य का एक अध्ययन है।

• ग्रामीण बस्ती भूगोल, बस्ती की उत्पत्ति एवं प्रादुर्भाव का अध्ययन करता है।

• ग्रामीण बस्ती भूगोल में बस्तियों का अध्ययन दो आधारों पर किया जाता है। → भूमि अधिग्रहित करने की प्रक्रिया में जुटाई गई सुविधाएँ।
→ इन सुविधाओं का समूहीकरण

• बस्ती और समाज के बीच के संबंधों का अध्ययन।

इस प्रकार ग्रामीण बस्ती भूगोल भूपटल पर ग्रामीण वातावरण में मानव द्वारा अधिग्रहण की प्रक्रियाओं, प्रतिक्रिया, कार्य और इनके स्थानिक संगठनों के व्यवस्थित वर्णन एवं व्याख्या से संबंधित है।

(Scope) विषय क्षेत्र

हालांकि गाँव का अस्तित्व प्रागैतिहासिक काल से ही विद्यमान है लेकिन इसके जुड़े अध्ययन की शुरुआत मुख्य रूप से 1950 के बाद ही किए गए। ग्रामीण बस्ती